चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

(प्रदेश विधायिका एक्ट 28, 2014 के तहत स्थापित)

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए (AECs, SECs, VACs and VOCs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित

सत्र 2023-24 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
				घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
	सेमेस्टर-I							
AEC-1	B23-HIN-121	हिन्दी भाषा की संरचना	2	02	35	15	50	2 घण्टे
	सेमेस्टर-II							
SEC-2	B23-HIN-206	पत्र-लेखन	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
SEC-2	B23-HIN-217	विज्ञापन लेखन	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
AEC-2	B23-HIN-221	संचार कौशल	2	02	35	15	50	2 घण्टे
	सेमेस्टर-III							
SEC-3	B23-HIN-306	रचनात्मक लेखन	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
VAC-3	B23-HIN-309	समाचार लेखन	2	02	35	15	50	2 घण्टे
VOC-1	B23-HIN-315	अनुवाद कला	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
AEC-3	B23-HIN-321	औपचारिक लेखन	2	02	35	15	50	2 घण्टे
VAC-3	B23-HIN-325	संपादन कला	2	02	35	15	50	2 घण्टे
	सेमेस्टर-IV							
AEC-4	B23-HIN-421	सोशल मीडिया लेखन	2	02	35	15	50	2 घण्टे

आन्तरिक मूल्यांकन योजना

आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना

कोर्स क्रेडिट	आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना				परीक्षा अंक	कुल अंक
	कक्षा सहभागिता	लेखन कार्य/प्रस्तुति	मध्यावधि परीक्षा	कुल अंक		
2	4	4	7	**15**	35	50
3	5	8	12	**25**	50	75
4	5	10	15	**30**	70	100

प्रदत्त नियत कार्य (Assignment Work) एवं मध्यावधि परीक्षा हेतु निर्देश

- पाठ्यचर्चा के अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में प्रदत्त नियत कार्य का लेखन एवं प्रस्तुति अति आवश्यक है।
- प्रदत्त कार्य प्रस्तुति नियमावली अनुसार ही होनी चाहिए।
- प्रदत्त नियत कार्य निर्धारित समय पर जमा करवाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य प्रदत्त विषयों के अनुरूप ही किया जाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य विद्यार्थी स्वयं सम्पन्न करें। किसी अन्य द्वारा लिखा अथवा टंकण कार्य स्वीकार्य नहीं होगा।
- लेखन के लिए केवल नीले रंग की स्याही और कोरे सफेद A4 साइज पेपर का प्रयोग किया जाए।
- लेखन के लिए 6 से 8 एक तरफा लिखे हुए पृष्ठों का संयोजन अनिवार्य है।
- केवल हिन्दी के विराम चिह्नों का ही प्रयोग करें। अन्य किन्हीं चिह्नों से युक्त कार्य स्वीकार्य नहीं।
- प्रदत्त नियत लेखन कार्य में अधोरेखांकन (अंडरलाइन) का प्रयोग वर्जित है।
- अपना सुव्यवस्थित स्वं हस्ताक्षरित लेखन कार्य यथा समय विभाग के संबंधित प्राध्यापक को ही सौंपे।
- निर्धारित मध्यावधि परीक्षा में अनुपस्थित रहने पर मूल्यांकन अंक नहीं दिए जाएगें।
- निर्धारित समय के बाद मध्यावधि परीक्षा स्वीकार्य नहीं होगी।
- कक्षा एवं विभागीय आयोजनों में सहभागिता मूल्यांकन का हिस्सा रहेगी।

सेमेस्टर-I AEC-1

B23-HIN-121 हिन्दी भाषा की संरचना

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के रूप से परिचित करवाना। भाषायी संरचना को समझने में मदद करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

121.1 हिन्दी भाषा की संरचना से परिचित।

121.2 हिन्दी भाषा के ध्वनि गुणों की जानकारी।

121.3 भाषा परिवर्तन व उसके विकास के कारणों की पहचान।

121.4 हिन्दी भाषा की वर्ण-व्यवस्था एवं वैज्ञानिकता से अवगत।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा नियोजन : भाषा का मानकीकरण; भाषा का आधुनिकीकरण; त्रिभाषा फार्मूला; हिन्दी का जनपदीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय संदर्भ; हिन्दी भाषा और उसकी क्षेत्रीय बोलियाँ।

इकाई-2 हिन्दी स्वनों का वर्गीकरण; हिन्दी की खंड्येतर ध्वनियाँ; हिन्दी की आक्षरिक व्यवस्था; हिन्दी वर्तनी की आधारभूत समस्याएँ एवं समाधान।

इकाई-3 शब्द वर्ग: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया; व्याकरणिक कोटियाँ: लिंग, वचन, काल, कारक; वाक्य व्यवस्था: साधारण, मिश्र और संयुक्त।

इकाई-4 हिन्दी की आधारभूत शब्दावली; शब्दों के विविध स्त्रोत: तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी तथा संकर; हिन्दी की आर्थी संरचना : अनेकार्थी, पर्यायवाची, विलोम, समरूपी शब्द।

सहायक पुस्तकें

- अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्म्मा
- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- मानक हिन्दी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी
- मानक हिन्दी का स्वरूप – कलानाथ शास्त्री
- मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग – रमेशचन्द्र महरोत्रा

सेमेस्टर-II SEC-2

B23-HIN-206 पत्र-लेखन

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पत्र-लेखन के व्यावहारिक रूप से परिचय करवाना। पत्र-लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

206.1 पत्र-लेखन कौशल में सक्षम।

206.2 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

206.3 पत्र-लेखन के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

206.4 तकनीकी क्षेत्र में पत्र-लेखन के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से पत्र-लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में पत्र-लेखन संबंधी तथा अन्य पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप ही समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 पत्र लेखन : स्वरूप, क्षेत्र, महत्त्व और उद्देश्य; पत्रों के प्रकार; पत्र के भाग; पत्र की विशेषताएँ; पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें; पत्र-लेखन में मानक हिन्दी का स्वरूप; बदलते समय में पत्र।

इकाई-2 वैयक्तिक पत्र तथा उसके मुख्य भाग; बधाई संबंधी पत्र और प्रारूप; शोक/सहानुभूति/संवेदना प्रकट करने संबंधी पत्र और प्रारूप; निमंत्रण पत्र और प्रारूप; खेद संबंधी पत्र और प्रारूप;

इकाई-3 शिकायत संबंधी पत्र और प्रारूप; समीक्षा/सुझाव संबंधी पत्र और प्रारूप; समस्या संबंधी पत्र और प्रारूप; अपील और निवेदन संबंधी पत्र और प्रारूप।

इकाई-4 कार्यालयी पत्र-लेखन [ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा] और उनके प्रारूप।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- आधुनिक पत्र-लेखन – योगेश चन्द जैन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- पत्र-लेखन कला – ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह
- औपचारिक पत्र-लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

सेमेस्टर-II SEC-2

B23-HIN-217 विज्ञापन लेखन

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

विज्ञापन से परिचय करवाना। विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

217.1 विज्ञापन से परिचय होगा।

217.2 विज्ञापन लेखन कौशल में सक्षम।

217.3 विज्ञापन के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

217.4 तकनीकी क्षेत्र में विज्ञापन के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से विज्ञापन लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में विज्ञापन लेखन अथवा अन्य पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप समसामयिक व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; विज्ञापन का महत्व; विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण।

इकाई-2 विज्ञापन की भाषा; विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ; विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष [सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर]।

इकाई-3 प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन; रेडियो जिंगल लेखन; टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण।

इकाई-4 विज्ञापन और बाजार; विज्ञापन और जनसंचार; विज्ञापन और जनसंचार माध्यम; विज्ञापन और एजेंसियां; विज्ञापन और कानून; विज्ञापन और नैतिकता।

सहायक पुस्तकें

- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
- विज्ञापन : भाषा एवं संरचना – रेखा सेठी
- आधुनिक विज्ञापन – डॉ॰ प्रेमसिंह पतंजलि
- विज्ञापन : व्यवसाय एवं कला – रामचन्द्र तिवारी
- विज्ञापन बाज़ार और हिन्दी – कैलाश नाथ पाण्डेय
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

सेमेस्टर-II AEC-2

B23-HIN-221 संचार कौशल

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण, लेखन, पठन एवं वाचन कौशल से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

221.1 लेखन और संप्रेषण कौशल में सक्षम।

221.2 भाषा का ज्ञान व समझ की अभिवृद्धि।

221.3 मधुर व सौहार्दपूर्ण संबंधों की स्थापना।

221.4 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय पर हिन्दी यूनिकोड फॉन्ट में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन (PPT) का निर्माण, गूगल फॉर्म निर्माण, अल्पावधि वीडियो रिकॉर्डिंग क्लिप , कक्षा प्रस्तुति, ब्लॉग लेखन करवाया जाए तथा पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप ही व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 संचार: अवधारणा, प्रक्रिया, कार्य और सामाजिक भूमिका; संचार के प्रकार; संचार कौशल: आवश्यकता, महत्त्व, विभिन्न अवयव और उनका अभ्यास; संप्रेषण और संचार।

इकाई-2 भाषिक संप्रेषण की प्रक्रिया; संप्रेषण कौशल के विभिन्न पक्ष; संप्रेषण में श्रवण का महत्त्व और श्रवण प्रक्रिया; श्रवणता के प्रकार; श्रवणता में बाधाएँ; कार्यस्थल पर सक्रिय श्रवण का महत्व।

इकाई-3 लेखन संप्रेषण से अभिप्राय, महत्त्व एवं उद्देश्य; लेखन संप्रेषण की प्रक्रिया; लेखन संप्रेषण की पद्धतियां; प्रभावी लेखन कौशल के गुण व तत्त्व; नोट लेना व नोट बनाना।

इकाई-4 पठन एवं वाचन शिक्षण कौशल; सस्वर वाचन और मौन-वाचन; वाचन शिक्षण की विधियाँ; वाचन के लिए ध्यान देने योग्य बातें; उच्चारण के भेद।

सहायक पुस्तकें

- व्यावसायिक संप्रेषण – राजीव बंसल
- सम्प्रेषण कौशल – डॉ॰ प्रवीन कुमार अग्रवाल
- सम्प्रेषण : प्रतिरूप एवं सिद्धांत – श्रीकान्त सिंह
- मानव संचार का परिदृश्य – अनिल कुमार यादव
- Communication Skills – Sanjay Kumar
- संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास – डॉ॰ पुनीत बिसारिया
- Communication Skills Training – James W. Williams

सेमेस्टर-III SEC-3

B23-HIN-306 रचनात्मक लेखन

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

रचनात्मकता और भाषायी कौशल से परिचित करवाना। रचनात्मक लेखन और चिंतन विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

306.1 रचनात्मक लेखन और चिंतन का विकास।

306.2 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।

306.3 आत्म-अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण कौशल में वृद्धि।

306.4 अपने परिवेश, समाज और राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – इकाई-1, 2 व 3 में से आंतरिक विकल्प सहित तीन आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – इकाई-1, 2 व 3 में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – इकाई-4 के निर्धारित विषयों में से विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को अनुभूति की सत्यता के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर (लगभग 300 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विधा में लेखन, बदलते जीवन मूल्य, महामारी, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका, ऑनलाइन शॉपिंग अथवा अन्य समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 रचनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व; रचनात्मक लेखन और परिवेश; रचनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण; लेखकीय व्यक्तित्व एवं भाषा-शैली; लेखकीय मनोविज्ञान; विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र [साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन]।

इकाई-2 भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण; साहित्यिक भाषा की विभिन्न छवियाँ; प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भाषा में अन्तर; लेखन के विविध रूप [मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर]।

इकाई-3 कविता, गीत, ग़ज़ल, लघु कथा लेखन; हास्य-व्यंग्य लेखन; फिल्म पटकथा लेखन; छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र; पल्लवन, संक्षेपण, अनुच्छेद।

इकाई-4 'मेरी पहली रचना' शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन; किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण; कोई एक फीचर लेखन; कोई एक यात्रा-वृतांत; किसी एक पुस्तक की समीक्षा; किसी एक फिल्म की समीक्षा।

सहायक पुस्तकें

- छोटे पर्दे का लेखन – हरीश नवल
- रचनात्मक लेखन – सं॰ रमेश गौतम
- कविता रचना प्रक्रिया – कुमार विकल
- लेखन एक प्रयास – हरिश्चन्द्र काण्डपाल
- टेलिविजन की भाषा – हरिश्चन्द्र बर्णवाल
- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश

सेमेस्टर-III VAC-3

B23-HIN-309 समाचार लेखन

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

समाचार लेखन से परिचय करवाना। समाचार लेखन व फीचर लेखन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

309.1 फीचर लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

309.2 समाचार लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

309.3 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

309.4 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप किसी एक विषय पर समाचार लेखन [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार लेखन और फीचर लेखन के लिए समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 समाचार : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; समाचार के तत्व; समाचार लेखन के प्रकार या वर्ग; समाचार-लेखन के सिद्धांत; समाचार-लेखन की प्रक्रिया और चरण; समाचार लेखन की भाषा-शैली।

इकाई-2 रेडियो समाचार : रिपोर्टिंग, कॉपी लेखन एवं प्रसारण; रेडियो समाचार के विभिन्न रूप; समाचार कक्ष और स्टुडियो; रेडियो की भाषा।

इकाई-3 टेलीविजन समाचार : रिसर्च, रिपोर्टिंग, पटकथा लेखन, वॉयस ओवर, निर्माण, ग्राफिक्स, प्रसारण; टेलीविजन समाचार के विविध रूप; टेलीविजन की भाषा।

इकाई-4 फीचर : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; फीचर के तत्व; फीचर का चुनाव एवं लेखन; फीचर के प्रकार एवं वर्ग; फीचर का उद्देश्य; फीचर तथा अन्य विधाएँ [समाचार और फीचर, संपादकीय और फीचर, रिपोर्ताज और फीचर, कमेण्ट्री और फीचर, लेख और फीचर, कहानी और फीचर]

सहायक पुस्तकें

- फीचर लेखन – पी० के० आर्य
- समाचार लेखन – पी० के० आर्य
- फीचर लेखन – संजय श्रीवास्तव
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – डॉ० मनोहर प्रभाकर
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ० जितेन्द्र वत्स, डॉ० किरणबाला

सेमेस्टर-III VOC-1

B23-HIN-315 अनुवाद कला

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद से परिचय करवाना। अनुवाद कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

315.1 अनुवाद के क्षेत्र और महत्व से अवगत।

315.2 अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

315.3 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए अनुवाद क्षमता का विकास।

315.4 अनुवाद के लिए आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप अनुवाद के लिए [Hindi To English & Vice Versa] विकल्प सहित एक गद्यांश दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु अनुवाद के कुछ उदाहरण [Hindi To English & Vice Versa]– समसामयिक, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार; अनुवाद और भाषा का संबंध; स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा; अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र; अनुवाद की परम्परा : भारतीय एवं पाश्चात्य; अनुवाद और रोजगार।

इकाई-2 अनुवाद प्रक्रिया – [पाठ विश्लेषण के स्तर पर, अंतरग के स्तर पर तथा पुनर्गठन के स्तर पर]; अनुवाद को समझने की दृष्टि – [पाठपरक और प्रक्रियापरक]; अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार; अनुवादक के गुण, दायित्व और धर्म; अनुवाद के सिद्धांत।

इकाई-3 अनुवाद की सीमाएँ – [भाषापरक, सामाजिक-सांस्कृतिक, पाठपरक]; अनुवाद की समस्याएँ – [अनुवाद की समस्या, अनुवादक की समस्या, पाठक की समस्या, पाठ की समस्या]; अनुवाद का महत्त्व और औचित्य; अनुवाद की प्रासंगिकता।

इकाई-4 साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद; कार्यालयी अनुवाद; मीडिया और अनुवाद; ज्ञान-विज्ञान का साहित्य और अनुवाद।

सहायक पुस्तकें

- अनुवाद साधना – पूरनचंद टंडन
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – नगेन्द्र
- अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी
- सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद – स० सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन
- Translation : A Multidiciplinary Approach – J. House

सेमेस्टर-III AEC-3

B23-HIN-321 औपचारिक लेखन

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी से परिचय करवाना। भाषा का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

321.1 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

321.2 हिन्दी भाषा लेखन कौशल में सक्षम।

321.3 विविध पत्राचार के रुपों व स्वरूप की समझ।

321.4 व्यावसायिक हिन्दी भाषा के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरुप विषय से कार्यालयी पत्र-लेखन संबंधी और प्रेस नोट संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय में पत्र-लेखन संबंधी तथा पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरुप ही व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप; ई-कार्यालय: परिचय, कार्यपद्धति एवं उपयोगिता; कार्यालयी हिन्दी का प्रयोग क्षेत्र; कार्यालय में प्रयुक्त अभिव्यक्तियाँ।

इकाई-2 कार्यालयी पत्रों का स्वरूप एवं महत्व; पत्राचार की विशेषताएँ; व्यावहारिक पत्र; संस्थागत पत्र; व्यावसायिक पत्र; व्यक्तिगत पत्र; सरकारी पत्र।

इकाई-3 आवेदन पत्र का अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएँ; आवेदन पत्र का ढाँचा; स्ववृत लेखन; सूचना के अधिकार के लिए लेखन; प्रूफ संशोधन।

इकाई-4 टिप्पण और प्रारूपण का परिचय; प्रेस नोट : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ; किसी एक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस नोट तैयार करना; प्रेस विज्ञप्ति : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ; किसी एक व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

सेमेस्टर-III VAC-3

B23-HIN-325 संपादन कला

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संपादन कला से परिचय करवाना। संपादन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

325.1 संपादन कला व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

325.2 संपादन कला के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

325.3 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास।

325.4 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए संपादन-लेखन क्षमता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप किसी एक विषय पर संपादकीय लेख [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार संपादकीय लेखन के लिए समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 संपादन : अवधारणा और उद्देश्य; संपादन के आधारभूत तत्व; निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ; समाचार विश्लेषण; सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत।

इकाई-2 संपादक और उपसंपादक; लीड, आमुख और शीर्षक लेखन; सम्पादकीय लेखन के तत्व और प्रविधि; संपादन तकनीकी पक्ष – [टाइप चयन, प्रूफरीडिंग, पृष्ठसज्जा]

इकाई-3 संपादक एवं उनके सहयोगी; संपादकीय विभाग की व्यवस्था; वातावरण एवं सुविधाएँ; कार्य एवं समय विभाजन; संपादन की कसौटी; सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

इकाई-4 पत्रकारिता का बदलता स्वरूप; पत्रकारिता के समक्ष खतरे और चुनौतियाँ; जनसंपर्क अपेक्षाएं एवं संभावनाएँ; जनसंचार माध्यमों की विश्वसनीयता; नीति निर्देशक तत्त्व।

सहायक पुस्तकें

- संपादन कला – एन॰ सी॰ पंत
- संचार भाषा हिन्दी – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- पत्रकारिता एवं संपादन कला – नेहा वर्मा
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ॰ जितेन्द्र वत्स, डॉ॰ किरणबाला

सेमेस्टर-IV AEC-4

B23-HIN-421 सोशल मीडिया लेखन

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सोशल मीडिया से परिचय करवाना। वर्तमान संदर्भों में सोशल मीडिया की भूमिका से अवगत करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

421.1 सोशल मीडिया से परिचय होगा।

421.2 सोशल मीडिया लेखन कौशल में सक्षम।

421.3 सोशल मीडिया के विविध रूपों व स्वरूपों की समझ।

421.4 तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा व साहित्य के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – समसामयिक विषयों में से पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप विकल्प सहित एक ब्लॉग और किसी भी समाचार की रिपोर्ट संबंधी प्रश्न दिया जाएगा। प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु सोशल मीडिया के किसी भी रूप के लिए लेखन, लोकतंत्र में सोशल मीडिया की भूमिका, स्व यूट्यूब चैनल की अनिवार्य रूपेण निर्मिति, अल्पावधि [3 से 5 मिनट] वीडियो रिकोर्डिंग क्लिप निर्मिति। इन कार्यों के लिए समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक विवेक के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 सोशल मीडिया: अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व; सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग; लोकतंत्र में सोशल मीडिया की भूमिका; सोशल मीडिया लेखन की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ।

इकाई-2 सोशल मीडिया के प्रकार; विकिपीडिया; ब्लॉग; सोशल नेटवर्किंग साइट्स; एक्स (ट्विटर); यूट्यूब; इंस्टाग्राम; पॉडकास्ट एवं अन्य।

इकाई-3 पॉपुलर साहित्य और सोशल मीडिया; पॉपुलर साहित्य के प्रकार; लप्रेक का अर्थ और शुरुआत; लप्रेक कवियों का परिचय और वैशिष्ट्य; यूनी कविता का अर्थ और शुरुआत; यूनी कवियों का परिचय और वैशिष्ट्य।

इकाई-4 किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन लेखन; निजी ब्लॉग लेखन; किसी समाचार पर रिपोर्ट लेखन; सोशल मीडिया हेतु आलेख लेखन।

सहायक पुस्तकें

- सामाजिक मीडिया और हम – रवीन्द्र प्रभात
- सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन – डॉ॰ स्नेह लता
- मीडिया और हिन्दी : बदलती प्रवृत्तियाँ – रविन्द्र जाधव
- सोशल मीडिया के विविध आयाम – सेवा सिंह बाजवा
- सोशल मीडिया : संभावनाएँ और चुनौतिया – डॉ॰ संगीता रानी
- डिजिटल युग में हिन्दी साहित्य: अवसर और चुनौतियां – रमेश कुमार चौहान